भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 708
गुरुवार, 23 जुलाई, 2026/1 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

संधारणीय विमानन ईंधन को अपनाया जाना

708. श्री योगेन्द्र चांदोलिया:
श्री धर्मबीर सिंह:
श्री अमर शरदराव काले:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री अनूप संजय धोत्रे:
श्री बापी हलदर:
श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतराव:
श्री दिलीप शइकीया:
श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोर:
श्री दिनेशभाई मकवाणा:
डॉ. मन्ना लाल रावत:
श्री लुम्बाराम चौधरी:
श्रीमती कमलेश जांगड़े:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:
श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशन:
श्री अशोक कुमार रावत:
श्री मुकेशकुमार चंद्रकांत दलाल:
श्री खगेन मुर्मु:
डॉ. निशिकान्त दुबे:
श्री कृपानाथ मल्लाह:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) क्या सरकार ने वर्ष 2026 के दौरान नागरिक विमानन क्षेत्र में संधारणीय विमानन ईंधन (एसएएफ) को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) देश में एसएएफ के उत्पादन, प्रमाणन और उपयोग के लिए तैयार किए गए नीतिगत या नियामक ढांचे का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या एसएएफ एकीकरण के लिए विमानन कंपनियों, विमानपत्तनों या तेल कंपनियों के साथ कोई पायलट परियोजनाएं या पहल की गई हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) वाणिज्यिक विमानन क्षेत्र में एसएएफ को अपनाने में तेजी लाने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए तैयार किए गए रोडमैप सहित इस संबंध में निर्धारित लक्ष्यों या समय-सीमा का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या हरियाणा में, विशेषकर भिवानी-महेंद्रगढ़ लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में, एसएएफ से संबंधित किसी उत्पादन सुविधा, अनुसंधान पहल, निवेश प्रस्ताव या कौशल विकास कार्यक्रम की योजना बनाई गई है या उसे क्रियान्वित किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) निकट भविष्य में दाहोद लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र में वायु संपर्क को बढ़ावा देने और उड़ानों के संचालन पर उक्त प्रयासों का क्या सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (घ): सरकार ने देश में संधारणीय विमानन ईंधन (एसएएफ) पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में सहायता हेतु अनेक कदम उठाएं हैं। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:
(i) अंतर्राष्ट्रीय संवहनीयता और कार्बन प्रमाणन (आईएससीसी) योजना के तहत एसएएफ प्रमाणन निकायों को मान्यता प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय प्रमाणन निकाय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीसीबी) को मान्यता देना,
(ii) तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) और एयरलाइनों के बीच दीर्घकालिक एसएएफ आपूर्ति व्यवस्था की सुविधा, जिसमें ओएमसी और एयरलाइनों के बीच समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करना शामिल है,
(iii) प्रधानमंत्री जैव ईंधन-वातावरण अनुकूल फसल अवशेष निवारण (पीएम जेआई-वीएएन) योजना के तहत प्रायोगिक और वाणिज्यिक पैमाने पर एसएएफ उत्पादन सुविधाओं की स्थापना हेतु सहायता,
(iv) एसएएफ पर हितधारक परामर्श और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना।
इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) को क्रमशः उनकी पानीपत और मुंबई रिफाइनरियों में एसएएफ उत्पादन के लिए आईएससीसी कार्बन ऑफसेटिंग एंड रिडक्शन स्कीम फॉर इंटरनेशनल एविएशन (आईएससीसी सीओआरएसआईए) प्रमाणन प्राप्त हुआ है। इसके अलावा, जून 2026 में, तीन कमर्शियल-स्केल और दो डेमोन्स्ट्रेशन-स्केल एसएएफ परियोजनाओं के लिए पीएम जेआई-वीएएन योजना के तहत वित्तीय सहायता को मंजूरी दी गई थी।

एसएएफ का और अधिक उपयोग करने के लिए, भारतीय वाहकों ने पारंपरिक विमानन टर्बाइन ईंधन (एटीएफ) के साथ एसएएफ के मिश्रण से निम्नलिखित परीक्षण उड़ानें परिचालित की हैं:
(i) मेसर्स विस्तारा ने 29 मार्च 2023 को 28% एसएएफ मिश्रित ईंधन का उपयोग करते हुए अमेरिका से भारत के लिए बी-787 की फेरी फ्लाइट का परिचालन किया;
(ii) मेसर्स एअर एशिया ने 19 मई 2023 को 0.75% एसएएफ मिश्रित ईंधन के साथ पहली वाणिज्यिक घरेलू उड़ान (पुणे से दिल्ली) का परिचालन किया;
(iii) अगस्त, 2018 में देहरादून से दिल्ली की मेसर्स स्पाइसजेट की उड़ान को एटीएफ के साथ मिश्रित 25% एसएएफ (भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, सी.एस.आई.आर. प्रयोगशाला द्वारा उत्पादित जैव ईंधन) के साथ परिचालित किया गया;

इसके अलावा तुलूज़ से भारत के लिए सभी एयरबस फेरी फ्लाइटें 5% एसएएफ मिश्रित ईंधन पर उड़ान भरती हैं।

सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय परिचालनों के लिए पारंपरिक विमानन टर्बाइन ईंधन में वर्ष 2027 तक 1%, 2028 तक 2% और 2030 तक 5% के सांकेतिक मिश्रण लक्ष्यों को मंजूरी दी है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियाँ कथित सम्मिश्रण लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं।

(ङ): आईओसीएल हरियाणा में अपनी पानीपत रिफाइनरी में फीडस्टॉक के रूप में प्रयुक्त खाना पकाने के तेल (यूसीओ) का उपयोग करके एसएएफ के उत्पादन में लगा हुआ है। इसके अलावा, वर्ष 2024 में संशोधित, पीएम जेआई-वीएएन योजना 2019 के तहत, सरकार एसएएफ सहित उन्नत जैव ईंधन परियोजनाओं की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। तथापि, अभी तक, भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए एसएएफ से संबंधित उत्पादन सुविधाओं, अनुसंधान पहलों की स्थापना के लिए कोई निवेश प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

(च): एसएएफ का उपयोग स्वच्छ विमानन की सहायता करता है, अंतरराष्ट्रीय परिचालनों में कार्बन उत्सर्जन को कम करता है और पर्यावरण की दृष्टि से संधारणीय हवाई संपर्क में योगदान देता है।

******